वन उत्पादकता संस्थान, रांची

एक दिवसीय अध्ययन भ्रमण (Exposure visit) सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 24.10.2019

वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक एवं समुह समन्वयक (अनुसंधान) के निर्देशन में दिनांक 24.10.2019 को झारखंड राज्य सरकार के वन विभाग के वनपाल, वनरक्षी एवं अधिकारियों को वन उत्पादकता संस्थान द्वारा अध्ययन भ्रमण (Exposure visit) सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) द्वारा झारखंड राज्य सरकार के अधिकारियों, वनपाल एवं वनरक्षी को संस्थान एवं संस्थान में चल रहे विभिन्न परियोजनाओं तथा विशेष रूप से बांस के परिचय, भारत वर्ष एवं विश्व में कितने प्रजाति के बांस होते हैं, इसके बारे में जानकारी से अवगत कराया गया | बांस की खेती की विभिन्न विधियों (बीज द्वारा, नाल कटिंग, बांस प्रबर्धन आदि) पर भी प्रतिभागियों से चर्चा की गयी। मनुष्य के जीवन में बांस के महत्व एवं इसकी उपयोगिता के बारे में भी अवगत कराया गया | भारत सरकार द्वारा वर्ष 2017 में बांस प्रजाति को अकाष्ठ वनोत्पाद श्रेणी से मुक्त कर दिया गया है, इस पर भी इन्होने चर्चा की| प्रतिभागियों द्वारा पूछे गये प्रश्नो का संतोषजंक उत्तर दिया गया।

संस्थान के वैज्ञानिक डा. अनिमेष सिन्हा ने प्रतिभागियों को टिशू कल्चर से बांस के उत्पादन विधि से प्रशिक्षणार्थियो को अवगत कराया और बांस पौध को टिशू कल्चर प्रयोगशाला से क्षेत्र (फिल्ड) तक ले जाने में किन-किन विधियों द्वारा गुजरना पड़ता है, इसकी भी चर्चा की गयी। बांस के महत्व एवं उपयोग पर भी चर्चा की गयी। बांस के साथ कृषि वानिकी की भी चर्चा की एवं अतिरिक्त आमदनी का श्रोत बताया गया।

संस्थान के वैज्ञानिक श्री आदित्य कुमार ने बांस की खेती एवं मूल्य संबर्धन पर अपना व्याख्यान दिया। इन्होने बांस से बनने वाले विभिन्न बांस उत्पाद के बारे में बताया। इस कार्यक्रम के लिए झारखंड, रांची के वन विभाग के उप वन संरक्षक डा. ए.के. मिश्रा ने सभी को धन्यवाद दिया। संस्थान के मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री रवीशंकर प्रसाद ने झारखंड में पायी जाने वाली बांस की विभिन्न प्रजातियो तथा इनके प्रवर्धन की विधियों पर प्रतिभागियों के साथ चर्चा की| संस्थान के अंतर्गत बांस वाटिका (Bambusetum) में कितने प्रजाति है इससे अवगत कराया गया एवं बांस वाटिका का भ्रमण कराया गया। प्रतिभागियों द्वारा क्षेत्र (Experimental field) में पूछे गये प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर भी दिये गये। एक दिवसीय अध्ययन भ्रमण (Exposure visit) सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में 67 अधिकारियों, वनपाल एवं वनरक्षी ने भाग लिया|

संस्थान के विस्तार प्रभाग के श्री एस. एन. वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री बी.डी. पंडित तकनीकी अधिकारी एवं श्री सूरज कुमार तकनीकी सहायक का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

Bamboo Species of Jharkhand:
Distribution, Utilization & Planting Stock
Improvement

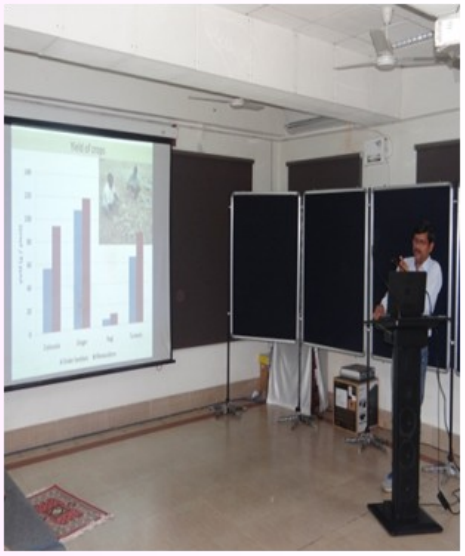

वन उत्पादकता संस्थान
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY